भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 479

06 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

देश में इस्पात की खपत

479. श्री परिमल नथवानी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में इस्पात की खपत बहुत कम है;

(ख) दुनिया में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत में देश का स्थान क्या है; और

(ग) देश में इस्पात के प्रति वयक्ति उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): भारत विश्व में तैयार इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है। वित्त वर्ष 2022 के दौरान तैयार इस्पात की खपत 106 मिलियन टन (एमटी) थी।

(ख): विश्व में प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत लगभग 233 किलोग्राम है। तथापि, भारत में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत लगभग 77.2 किलोग्राम है, जो विगत 8 वर्षों में 50% तक बढ़ी है, यह प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत के वैश्विक औसत का एक तिहाई है।

(ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका देश में इस्पात की खपत को बढ़ावा देने के लिए एक सुविधाप्रदाता की है। इस दिशा में, सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2017 को लागू किया है, जिसके अंतर्गत प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत को 2030-31 तक 160 किलोग्राम तक बढ़ाने की परिकल्पना की गई है। गतिशक्ति मास्टर प्लान, विनिर्माण क्षेत्र के लिए 'मेक-इन-इंडिया' पहल, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) आदि के माध्यम से अवसंरचना विकास के लिए सरकार के प्रयास से देश में इस्पात की माँग तथा खपत को बल मिलेगा। इस्पात मंत्रालय ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के साथ आवासन तथा निर्माण क्षेत्र में इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की भी स्थापना की है, जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), तकनीकी संस्थानों (आईआईटी/एनआईटी) एवं उद्योगों के सदस्य शामिल हैं।

****